नेशनल मिशन फॉर ए ग्रीन इंडिया

(नेशनल एक्शन प्लान फॉर क्लाइमेट चेंज NAPCC के आठ मिशनों में से एक)

NAPCC द्वारा संवहनीय विकास के अतिआवश्यक एवं संकटग्रष्त पहलुओं को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन के खतरों के परिप्रेक्ष्य में अर्थव्यवस्था एवं प्राकृतिक संसाधनों के बीच निकट संबंध को पहचानते हुए देश के प्राकृतिक जैविक संसाधनों के वितरण, प्रकार एवं गुणवत्ता को खतरे से बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

जलवायु अनुकूलन एवं अल्पीकरण के परिप्रेक्ष्य में ग्रीन इंडिया मिशन द्वारा इको सिस्टम सेवाओं के विकास को स्थानीय समुदायों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से उपचार प्रस्तावित है, जिसके तहत वनों का सुधार एवं पुनरूद्धार के साथ – साथ वनआश्रित स्थानीय समुदाय को वैकल्पीक एवं वनआधारित आजीविका के साधन उपलब्ध कराना एवं उनकी क्षमता विकास किया जाना प्रस्तावित है।

मध्यप्रदेश में ग्रीन इंडिया मिशन के क्रियान्वयन हेतु 8 एल–1 लैंडस्केप की पहचान की गई है जिसमें जलवायु परिवर्तन में प्रतिकुल रूप से परिवर्तन करने वाले 18 वनमण्डलों में 122 मिलीवाटरशेड के 735 माइक्रो वाटरशेडों के 7,35,479 हे0 क्षेत्र के पूर्ण उपचार की एक दूरगामी परियोजना बनाई गई है।

ग्रीन इंडिया मिशन के परियोजना क्षेत्र को चयन करने हेतु निम्न दो अध्ययनों को आधार बनाया गया है– (i) EPCO भोपाल द्वारा प्रकाशित ''मध्यप्रदेश स्टेट क्लाइमेट चेंज वेलनारिबिलिटी असेसमेंट'' (ii) IISc बैंगलौर द्वारा प्रकाशित ''इम्पेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन इंडियन फॉरेस्ट : अ डायनमिक वेजिटेशन मॉडलिंग एप्रोच''

परियोजना क्षेत्र: परियोजना मूल रूप से ग्रीन इंडिया मिशन के तहत चिन्हित मध्य प्रदेश के 8 लेवल-1 लैंडस्केप के 18 चयनित वन मंडलों (बड़वानी, बालाघाट दक्षिण, बैतूल उत्तर एवं पश्चिम, धार, डिंडोरी, होशंगाबाद, झाबुआ, पन्ना दक्षिण, रायसेन, सागर दक्षिण, सतना, सीहोर, सेंधवा, सिवनी दक्षिण, शिवपुर, शिवपुरी एवं उमरिया) क्रियान्वित किया जाना प्रस्तावित है.

ई.एस.आई. पी.प्रदर्शन क्षेत्र: परियोजना के प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए होशंगाबाद (5D3D6k), सीहोर (5D2D8g), एवं उत्तर बैतूल (5D5A2h) वन मंडलों में लेवल-2 के एक- एक मिली वाटर शेड

ग्रीन इंडिया मिशन के तहत चयनित लैंडस्केप का विवरण

लेवल एल।	लेवल एल 2		लेवल एल 3 (माइक्रोवाटरशेड)	क्षेत्रफल (हे0)
	शामिल वनमण्डल	मिलीवाटरशेड		
कैमूर पठार	सतना	4	28	33343
नॉर्थन हिल्स प्लेन्स	उमरिया	4	24	31919
	दक्षिण बालाघाट	12	71	74703
सतपुड़ा – नर्मदा	होशंगाबाद	5	30	33355
	दक्षिण सिवनी	11	67	75028
	उत्तर बैतूल	4	20	27860
	पश्चिम बैतूल	8	24	29083
विन्ध्य पठार	रायसेन	10	67	51000
	ओबेदुल्लागंज	10	57	51350
	सीहोर	5	28	27224
मालवा पठार	धार	3	18	10794
निमाड़ झाबुआ हिल्स	झाबुआ	3	20	20596
	बड़वानी	3	21	18218
	सेंधवा	2	11	11708
बुन्देलखंड	दक्षिण सागर	13	79	71378
	दक्षिण पन्ना	9	64	68068
गोर्द	शिवपुर	8	48	50343
	शिवपुरी	8	58	49501
योग		**122**	**735**	**735479**

विस्तृत विवरण हेतु सम्पर्क
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, (ग्रीन इंडिया मिशन) सतपुड़ा भवन, भोपाल, मध्यप्रदेश 462004
फोन नं. – 0755 2674268, 9424790089
apccfgim@mp.gov.in, https//www.mpforest.gov.in

इकोसिस्टम सर्विसेस इंप्रूवमेंट परियोजना

(2017-2022)

ग्लोबल इन्वायरमेंटल फैसिलिटी ट्रस्ट फंड द्वारा पोषित ग्रीन इंडिया मिशन को लागू करने हेतु मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में विश्व बैंक की एक पायलट परियोजना

परियोजना का उद्देश्य :

मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य के चयनित भू परिदृश्यों में क्रियान्वयित आरम्भिक परियोजना का उद्देश्य परियोजना के परिणाम स्वरूप वनों की गुणवत्ता में सुधार, भू प्रबंधन एवं लघु वनोपज प्रबंधन से वनों पर आश्रित स्थानीय समुदायों को होने वाले लाभों का प्रदर्शन करना है।

परियोजना के वृहद उद्देश्य

1. वैश्विक स्तर पर कार्बन प्रच्छादन में योगदान करना
2. अपकर्षित भूमियों में सुधार लाना
3. महत्वपूर्ण जैव विविधता का संरक्षण करना

ग्रीन इंडिया मिशन को सहयोग

यह परियोजना ग्रीन इंडिया मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सार्थक सहयोगी भूमिका निभाएगा जो कि भारत के राष्ट्रीय निर्धारित सहयोग के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा।

परियोजना लागत : 245.4 लाख डॉलर (मध्यप्रदेश : 90 लाख डॉलर)

परियोजना के घटक

- क्षमता विकास (प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता 40 लाख डॉलर)
- परियोजना के वनों के गुणवत्ता सुधार एवं वनाधारित जनसमुदाय के रोजगार सृजन के माध्यम से वनों के कार्बन भंडार में वृद्धि (155 लाख डॉलर)।
- संवहनीय भू–प्रबंधन प्रणालियों के आदर्श उदाहरणों को व्यापक पैमाने पर परियोजना क्षेत्र में लागू कर निजी भूमियों एवं सामुदायिक सम्पत्तियों, भू–क्षरण को रोकना (24 लाख डॉलर)

परियोजना की सफलता के सूचकांक

- **परियोजना वन क्षेत्रों में निवासरत एवं स्थानीय समुदायों को वनों से मौद्रिक अथवा गैर मौद्रिक लाभ**
- **भू–क्षेत्र जहां पर संवहनीय भू–प्रबंध सिध्दांतो का अंगीकरण परियोजना के द्वारा किया गया।**
- **परियोजना क्षेत्र में प्रति हेक्टेयर कार्बन प्रच्छादन की मात्रा**
- **परियोजना के तहत लाभांवित समूहों द्वारा सहयोगी योजना निर्माण**

इकोसिस्टम सर्विसेस इंप्रूवमेंट परियोजना: मूलभूत सिद्धांत

- भारत के ग्रामीण गरीबों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच का कार्य करते हैं
- वन जैव विविधता के महत्वपूर्ण भंडार गृह हैं
- वनों की दुर्दशा कृषि एवं पशुधन के उत्पादकता को रूप से प्रभावित करती है एवं गरीबों पर अनुपात हीन प्रतिकूल प्रभाव डालती है
- जहां बिगड़ते हुए वन जलवायु परिवर्तन मैं योगदान देते हैं, वही जलवायु परिवर्तन वनों के लिए भी एक बड़ा खतरा है
- भारत के पास जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने हैं विस्तृत नीतियां, समझौते एवं संस्थाएं उपलब्ध है
- ग्रीन इंडिया मिशन जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति है
- इकोसिस्टम सर्विसेस इंप्रूवमेंट परियोजनाएक रणनीति के रूप में ग्रीन इंडिया मिशन हेतु अत्यंत प्रासंगिक है
- इ एस आई पी के अंतर्गत प्रस्तावित कार्य इकोसिस्टम प्रबंधन एवं आजीविका लाभ के माध्यम से अनकलन आधारित मिटिगेशन

परियोजना सहयोगी

1. ICFRE, Dehradun:

➢ SELM द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों का व्यापकीकरण

➢ वन कार्बन भंडार का मापन एवं अनुश्रवण

2.Forest Survey of India, Dehradun

➢ वन कार्बन भंडार का मापन

3.PPSU, मध्यप्रदेश राज्य योजना बोर्ड भोपाल

➢ चयनित परिदृश्यों की आधारभूत जानकारी

➢ संरक्षण डिजाइन

➢ प्रचार – प्रसार फ्रेमवर्क का निर्माण

➢ सहयोगआत्मक योजना निर्माण

➢ नीतिगत विशलेषण एवं परिवर्तन की आवश्यकता

➢ अनुश्रवण एवं मूल्यांकन हेतु फ्रेमवर्क का निर्माण

4. मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड, भोपाल

➢ जैव विविधता मापन हेतु क्षमता विकास

➢ जैव विविधता समितियों को योजना निर्माण हेत

परियोजना गतिविधियां

1. शासकीय संस्थानों के क्षमता एवं कौशल का सुदृढ़ीकरण: वानिकी एवं भू प्रबंध कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु

- जी आई एस प्रणाली के उपयोग हेतु कर्मचारियों का प्रशिक्षण
- जैव गलियारों की पहचान एवं नक्शे तैयार करने हेतु सहयोग
- चयनित क्षेत्रों में , विशेष तौर पर जैव विविधता गलियारों में, जैव विविधता मापन हेतु प्रशिक्षण एवं प्रोटोकॉल निर्धारण एवं प्रबंध योजना का निर्माण
- प्रबंध योजनाओं के पुनरीक्षण में सहयोग
- संयुक्त वन प्रबंधन प्रबंधन समितियों का जैव विविधता प्रबंधन हेतु सशक्तिकरण
- कर्मचारियों को संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों का प्रवास

2. वन कार्बन भंडारण मापन एवं अनुश्रवण हेतु क्षमता विकास

- कार्बन मापन व अनुश्रवण प्रणाली का विकास हेतु तकनीकी सहयोग (सलाहकार)
- क्षेत्र में स्थापित करते हेतु हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर क्रय हेतु सहयोग
- कार्बन मापन हेतु कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं अतिरिक्त संविदा कर्मचारियों हेतु सहयोग
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से कार्बन मापन हेतु समन्वय एवं नेटवर्किंग

3. लघु वनोपज क्षमता विकास

- संवहनीय उपयोग के रूप रेखा ढांचा का विकास
- स्थानीय अग्रणी कर्मचारियों, संयुक्त वन प्रबंधन समितियों, स्व सहायता एवं उपयोगकर्ता समूहों का प्रशिक्षण
- लघु वनोपज के संवहनीय उपयोग हेतु सामुदायिक आधारित मॉडल का विकास

4. वनों की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में सुधार

- वन क्षेत्रों में कार्बन भंडारण को बढ़ाना एवं पुनः स्थापित करना
- उच्च गुणवत्ता के स्थानीय प्रजाति केपौधों को तैयार करने हेतु चयनित वन रोपड़ियों का आधुनिकीकरण